

## जन्नि की दुनिया (2 का भाग 2)

रेटगि:

वविरण: ?????? ?? ????? "?????" ?? ?????? ??? 2: ?????? ?? ?????, ??????? ?? ????? ?? ????? ?? ??????

श्रेणी: [पाठ](#) , [इस्लामी मान्यताएं](#) , [आस्था के अनुच्छेद](#)

द्वारा: Imam Mufti (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उददेश्य

- शैतान या इबलीस की कहानी जानना।
- शैतानों के मशिन को समझना।
- शैतानों से सुरक्षति रहने के 7 तरीके सीखना।

अरबी शब्द

- ????? - अल्लाह की एक रचना जो मानवजातसे पहले धुआं रहति आग से बनाई गई थी। उन्हें कभी-कभी आत्मा, बंशी, पोल्टरजसिट, प्रेत आदिके रूप में संदर्भति कयिा जाता है।
- ??????? - शैतान का अरबी नाम।
- ?????? - हर इंसान से जुड़ा एक शैतान।
- ?????? - यह इस्लाम और अरबी भाषा में इस्तेमाल कयिा जाने वाला शब्द है जो शैतान यानि बुराई की पहचान को दर्शाता है।
- ??????? - शैतान, 'शैतान' का बहुवचन।
- ??????? - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, कयिा या करने को कहा।
- ????? - कुरान का अध्याय।

हमने पछिले पाठ में सीखा कि कुछ जनिन् अच्छे होते हैं और कुछ बुरे। अल्लाह ने उन्हें विश्वासी या अविश्वासी बनने की क्षमता दी है। दुष्ट जनिन् को अरबी में शैतान या शयातीन कहते हैं। शैतानों के नेता को अरबी में शैतान या इब्लीस के नाम से जाना जाता है। वह बहुत बदसूरत दखिता है और उसके दो सींग हैं।

## इब्लीस की कहानी

घमंडी बनने से पहले शैतान स्वर्गदूतों के साथ अल्लाह की पूजा करता था। उसने जीवन में बुरा रास्ता चुना, यह जानते हुए कि उसे सजा मिलेगी। अल्लाह ने आदम को बनाया और स्वर्गदूतों को आदम का सजदा करने का हुक्म दिया। शैतान स्वर्गदूतों के साथ अल्लाह की पूजा करता था, इसलिए उसे भी सजदा करने को कहा गया लेकिन उसने अहंकार के चलते अल्लाह के हुक्म को ठुकरा दिया। नतीजा यह हुआ कि शैतान को स्वर्ग से निकाल दिया गया। उसने अल्लाह से वादा किया कि अगर अल्लाह उसे न्याय के दिन तक जीने दे तो वह आदम के बच्चों को गुमराह करेगा। इस प्रकार, वह मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बन गया। उसने देखा कि आदम उसके स्वर्ग से नष्कासन का कारण था और यही कारण था कि अल्लाह ने उस पर अपना श्राप डाला।

## शैतानों का मशिन

इब्लीस सांसारिक मनुष्यों के वरिद्ध युद्ध का प्रधान सेनापति है। वह इंसानों के खिलाफ इस लड़ाई की रणनीति बनाता है, अपने सैनिकों को भेजता है और फिर उनके प्रदर्शन की समीक्षा करता है। वह उन शैतानों की प्रशंसा करता है जो उसके मशिन को पूरा करते हैं। अल्लाह के पैगंबर ने हमें बताया है,

“इब्लीस ने पानी पर अपना सहिसन स्थापित किया है। वहां से, वह मानव जातिको लुभाने के लिए अपनी सेना भेजता है। जो सबसे बड़ा प्रलोभन देता है उसे वह अपने सबसे करीब मानता है। उनमें से एक उसके पास लौटकर कहता है, 'मैं फलाने के साथ रहा और उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक कि उसने कोई बुरा काम न किया,' इब्लीस उससे कहता है 'तुमने कुछ नहीं किया।' फिर कोई दूसरा शैतान आता है और कहता है, 'मैंने उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक वह अपनी पत्नी से अलग नहीं हो गया।' इब्लीस उसे अपने पास बुलाता है और कहता है, 'तुम कतिने अच्छे हो!' [1]

उसके पास जनिन् और मनुष्यों की एक सेना है, जिन्हें शयातीन कहा जाता है। जनिन् के उसके सैनिकों में करीन है, वह शैतान जो हर इंसान का साथ रहता है।

शैतान का अंतिम लक्ष्य मनुष्यों को अपने साथ नरक की आग में ले जाना और उन्हें स्वर्ग में प्रवेश करने से रोकना है। वह लोगों से अल्लाह के अलावा औरों की पूजा करवाकर ऐसा करता है। यदि वह ऐसा

नहीं कर सकता, तो वह उन्हें पाप की ओर ले जाता है और अल्लाह की अवज्ञा करवाता है। वह लोगों को अच्छे काम करने से रोकने की कोशिश करता है। यद्विह ऐसा नहीं कर सकता है, तो वह पूजा के कार्यों को बर्बाद करने की पूरी कोशिश करता है ताकवियक्तिको उसके लिए कोई इनाम न मलि।

एक तरीका जिसके द्वारा शैतान लोगों को गुमराह करता है वह है टोना-टोटका। जादूगर कभी-कभी शैतानों को खुश करने के लिए कार्य करते हैं जो बदले में उनका आदेश मानते हैं। कभी-कभी जादू टोना का उपयोग पति और पत्नी के बीच अलगाव पैदा करने के लिए किया जाता है (कुरआन 2:102)। टोना-टोटका दो प्रकार का होता है, इसमें कुछ भ्रम होता है और कुछ वास्तविक। वास्तविक जादू टोना पति-पत्नी के बीच अलगाव का कारण बन सकता है और अन्य नुकसान भी पहुंचा सकता है।

## इब्लीस और शैतानों से सुरक्षा

1. शैतान से खुद को बचाने का सबसे बड़ा तरीका कुरआन और सुन्नत से जुड़े रहना और इस्लाम की शिक्षाओं के अनुसार जीवन जीना है। कुरआन में अल्लाह ने कहा है,

**“ऐ विश्वासियों ! तुम सर्वथा इस्लाम में प्रवेश कर जाओ और शैतान की राहों पर मत चलो, नश्चय वह तुम्हारा खुला शत्रु है।” (कुरआन 2:208)**

2. अल्लाह से सुरक्षा मांगना। वास्तव में अल्लाह की ओर मुड़ना और उससे सुरक्षा मांगना शैतान से सुरक्षित रहने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। अल्लाह ने कुरआन में हमें सुरक्षा के शब्द सिखाये हैं जो इस प्रकार हैं,

**तथा आप प्रार्थना करें कहें मेरे पालनहार! मैं तेरी शरण मांगता हूं, शैतानों की शंकाओं से तथा मैं तेरी शरण मांगता हूं, मेरे पालनहार! कवि मेरे पास आये।” (कुरआन 23:97-98)**

3. अपने बच्चों और संपत्तिको अल्लाह के हवाले कर दें। अल्लाह के दूत इन शब्दों के साथ अपने पोते-पोतियों के लिए सुरक्षा मांगते थे:

**“उईजू-कुमा बी कलमि-तलि-लाहति-तामह मनि कुली शैताननि व हमा व मनि कुली ऐननि लामह।”**

**“मैं अल्लाह के सिद्ध वचनों के साथ आप दोनों को हर शैतान और बुराई से, और हर बुरी नज़र से बचाता हूं।” (सहीह अल-बुखारी)**

4. अल्लाह की सुरक्षा पाने के लिए सबसे अच्छे शब्द।

क़ुरआन के अंतमि दो अध्याय, सूरह अल-फलक और सूरह अन-नास, सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सबसे अच्छे शब्द हैं (सुनन नसाई).

#### 5. अल-कुरसी के छंद के साथ सुरक्षा मांगे

**“जो कोई सुबह उठ के ये पढ़ेगा, वह शाम तक जनिन से सुरक्षित रहेगा, और जो शाम को सोने से पहले ये पढ़ेगा, वह सुबह उठने तक उनसे सुरक्षित रहेगा।” (हाकमि)**

आपने पहले के पाठ में सूरह अल-फलक, सूरह अन-नास और अल-कुरसी के छंद सीखे हैं। कृपया उनको देखें।

#### 6. मुस्लिमि समुदाय के करीब रहना

शैतान के जाल में पड़ने से बचने के लिए, मुस्लिमि समुदाय के करीब रहें और अपने लिए अच्छे मुस्लिमि दोस्त चुनें जो आपको सच्चाई का पालन करने और झूठ से दूर रहने में मदद और प्रोत्साहति कर सकें। पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने कहा,

**“आपको मुस्लिमि समुदाय के साथ रहना चाहिए और वभिजन से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि शैतान उसको बहकाता है जो अकेला होता है और वहां से दूर रहता है जहां दो लोग होते हैं।” (तरिम्ज़ि)**

#### 7. शैतान का वरिध करें

शैतान अपने बायें हाथ से खाता-पीता, और कोई सामान लेता है। इसलिए आप दाहिने हाथ से खाये-पीये और कोई सामान लें और शैतान का वरिध करें। शैतान पैसे को बर्बाद होते देखना पसंद करता है, इसलिए सावधान रहें और अपना पैसा बर्बाद न करें। अंत में, जम्हाई (जो आलस्य को दर्शाता है) को जतिना हो सके उतना रोकने की कोशिश करें क्योंकि ये शैतान की तरफ से होता है।

---

फुटनोट:

[1]

सहीह मुस्लिमि

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/183>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।